जालंधर, शुक्रवार 07 जून 2024
JALANDHAR, LUDHIANA, AMRITSAR, CHANDIGARH
+91 97814 00247

वंदे भारत 24
भारत के मन की बात

सुविचार

दुनिया उन्ही पर भरोसा करती है,
जिन्हें खुद पर भरोसा होता है !

@vandebharat24 | vandebharat24news | @vandebharat24news | www.vandebharat24.com

चुनावों में हलका इंचार्ज बदलना आम आदमी पार्टी को पड़ा भारी

मोहिंदर भगत और राजविंदर कौर थियाड़ा दोनों ने डुबोई पवन टीनू की लुटियां, थियाड़ा को हलका इंचार्ज बनाना वर्कर्स को नहीं आया रास, सोढ़ी ग्रुप ने की खुली बगावत, थियाड़ा से नाराज जगबीर बराड़ ने भी आप को कैंट हलके में डाला डैंट

जालंधर (हर्ष शर्मा) : चुनावों के बीच हलका इंचार्ज बदलना आम आदमी पार्टी को बहुत भारी पड़ा। चुनाव में बढ़त के मध्यनजर? आम आदमी पार्टी ने वेस्ट हलके की कमान मोहिंदर भगत को सोपी तो वहीं जालंधर कैंट हलके में सुरेंद्र सोढ़ी को हटाकर राजविंदर कौर थियाड़ा को हलका इंचार्ज बना दिया था। दोनों ही हलका इंचार्ज की परफॉर्मेंस बेहद खराब रही और जालंधर वेस्ट और जालंधर कैंट में आम आदमी पार्टी को काफी नुकसान हुआ।

मोहिंदर भगत और राजविंदर कौर थियाड़ा दोनों ने पवन टीनू? की लुटिया डुबोने में कोई कसर नहीं छोड़ी। जालंधर वेस्ट में तो आम आदमी पार्टी को सबसे कम 15629 वोट मिले। जबकि यहां भाजपा को 20000 से ज्यादा वोट मिले। जालंधर कैंट में तो थियाड़ा को हलका इंचार्ज बनाने के बाद सुरिंदर सोढ़ी ने पार्टी से बगावत कर ली थी और चुनाव में पवन टीनू का बिल्कुल साथ नहीं दिया था।

यही नहीं थियाड़ा के हलका इंचार्ज बनने से जगबीर बराड़ भी बेहद खफा थे और उन्होंने भी नाराजगी जताते हुए बाद में भाजपा ज्वाइन कर ली थी।

जिससे आम आदमी पार्टी को काफी नुकसान हुआ। कुल मिलाकर राजविंदर कौर थियाड़ा और मोहिंदर भगत ने पवन टीनू की लुटियां डुबोने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

पुणे हवाई अड्डे पर विमान की सीट के नीचे मिला 78 लाख रुपये का सोना

जालंधर (संदीप मान) : महाराष्ट्र के पुणे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर विमान की सीट के नीचे पाइप में छिपाकर रखे गए सोने के पेस्ट को कस्टम अधिकारियों ने जब्त कर लिया. साथ ही उस सीट पर बैठे एक यात्री को गिरफ्तार किया गया है.

सीमा शुल्क अधिकारियों ने गुरुवार को बताया कि जब्त किए गए सोने की कीमत 78 लाख रुपये आंकी गई है. यह सोने का पेस्ट दुबई से पुणे पहुंची फ्लाइट में बरामद किया गया.

सीमा शुल्क विभाग के एक अधिकारी ने इस बारे में जानकारी देते हुए पीटीआई को बताया कि प्रोफाइलिंग के आधार पर बुधवार को दुबई से आने वाले एक यात्री को रोका गया था, लेकिन उसकी व्यक्तिगत तलाशी या सामान की जांच में कुछ भी आपत्तिजनक नहीं मिला. अधिकारी के मुताबिक, चूंकि उस यात्री का व्यवहार बहुत संदिग्ध था, इसलिए उससे पूछा गया कि क्या उसने विमान में कुछ छिपाया है. लेकिन उसने कोई सीधा जवाब नहीं दिया. उसके जवाबों से शक और बढ़ गया. इसलिए उसकी सीट और विमान में कुछ अन्य स्थानों की तलाशी ली गई.

सीमा शुल्क अधिकारी ने बताया कि जिस सीट पर वह यात्री बैठा था, तलाशी के दौरान उसके नीचे पाइप में सोने के पेस्ट का एक पैकेट मिला. अधिकारी आगे बताया कि पैकेट में मिले 24 कैरेट सोने का वजन 1,088.3 ग्राम है और उसकी कीमत 78 लाख रुपये है. इस बरामदगी के बाद पुलिस ने आरोपी यात्री को गिरफ्तार कर लिया. अब उससे इस सोने के बारे में पूछताछ की जा रही है. साथ ही उसका इतिहास भी खंगाला जा रहा है.

खन्ना में मोबाइल टावर की आड़ में काटी जा रही थी गायें, पुलिस ने मारा छापा तो उड़ गए होश

जालंधर (हिमांशु) : नजदीकी गांव मोहनपुर में मोबाइल टावर की आड़ में गोकशी करने का मामला सामने आया है। मंगलवार को देर रात गोकशी के बाद मांस सप्लाई करने की सूचना पर पुलिस ने छापेमारी की, लेकिन आरोपित फरार होने में कामयाब रहे।

टावर कंपनी की जगह पर होता था गोकशी का काम

इसके विरोध में हिंदू संगठनों के प्रतिनिधियों ने मौके पर पहुंच कर रोष व्यक्त किया। मौके से पुलिस ने काटी गईं 10 गायों और अन्य गोवंश के अवशेष बरामद किए हैं। दो बोलेरो गाड़ियां भी मिली हैं। बताया जा रहा है कि इनमें गोमांस सप्लाई किया जाना था। सदर थाना की पुलिस ने शिव सैनिक अनुज गुप्ता की शिकायत पर आरोपित मोहम्मद पीर और उसके अज्ञात साथियों खिलाफ केस दर्ज किया है।

पुलिस आरोपितों की तलाश कर रही है। एसपी (आई) सौरव जिंदल ने बताया कि मौके पर मांस के सैंपल भरवाए गए हैं। कोर्ट की मंजूरी लेकर गायों के अवशेषों को मिट्टी में विधिपूर्वक दबाया गया है।

मुख्य आरोपी और उसके साथी मौके से फरार

टावर वाली जगह सूनसान होने का उठाया फायदा मोहनपुर में पंचायती जमीन पर एक कंपनी के मोबाइल टावर वाली जगह में गायें काटी जाती थीं। यहां आम लोगों के जाने पर पाबंदी है। इसी का फायदा उठाकर आरोपित गोकशी करते थे। मंगलवार की रात शिव सैनिकों को सूचना मिली कि मोहम्मद पीर गोकसी कर रहा है। वे तुरंत मौके पर गए और पुलिस को भी सूचित किया पर आरोपित व उसके साथी फरार हो गए।

मंत्रालय बंटवारे का फॉर्मूला तैयार

9 जून को तीसरी बार मोदी पीएम पद की लेंगे शपथ

जालंधर (दीपांशु चोपड़ा) : लोकसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को बहुमत मिलने के बाद गठबंधन सरकार के गठन की तैयारी तेज हो गई है। शुक्रवार को राजग संसदीय दल की बैठक प्रस्तावित है, जिसमें कार्यवाहक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को संसदीय दल का नेता चुना जाना है। उसके बाद राष्ट्रपति भवन जाकर दावा पेश किया जाएगा और नौ जून को मंत्रियों के साथ प्रधानमंत्री के रूप में मोदी शपथ लेंगे।

मंत्रिमंडल बंटवारे का फॉर्मूला तैयार

बुधवार को राजग दलों के नेताओं के साथ प्रधानमंत्री मोदी ने मुलाकात की थी।वहीं मोदी के नेतृत्व पर सहमति बन गई थी। लेकिन नेता सदन का चुनाव संसदीय दल की बैठक में ही होता है। शुक्रवार को वह काम पूरा हो जाएगा। बुधवार की बैठक में ही सहयोगी दलों को यह बता दिया गया था कि मंत्रिमंडल में बंटवारे को लेकर ऐसा फॉर्मूला तैयार कर लिया जाएगा जिसपर सहमति होगी।

शपथ ग्रहण समारोह को लेकर बैठक

इन मांगों को दोनों दलों में किसी ने भी औपचारिक रूप से नहीं बताया है। भाजपा सूत्रों के अनुसार भी अभी तक इन दलों की ओर से कोई मांग नहीं रखी गई है। शपथ ग्रहण समारोह को लेकर गुरुवार को भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के आवास पर भी लंबी बैठक हुई। बैठक में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह भी मौजूद थे। इस बैठक में तैयारियों के साथ साथ चुनावी समीक्षा भी हुई।

जदयू और टीडीपी को तीन तीन मंत्री पद

अपुष्ट सूत्रों के अनुसार किसी नंबर फार्मूले की बजाय सभी सहयोगी दलों को उचित प्रतिनिधित्व देने की योजना है।

ऐसे मे जिस दल के पास पांच तक सदस्य है उन्हें एक मंत्री पद और उनसे ज्यादा वाले जदयू और टीडीपी को तीन तीन मंत्री पद दिया जा सकता है।

हालांकि इस बात की अटकलें तेज चलती रही कि इन दलों की ओर से चार मंत्री पद मांगा गया है और टीडीपी की ओर से लोकसभा अध्यक्ष की कुर्सी भी मांगी गई है।

HAKIM TILAK RAJ KAPOOR HOSPITAL PVT. LTD.
NEAR FOOTBALL CHOWK, JALANDHAR | Call/Whatsapp No. +91-95015-02525

आयुर्वेदिक एवं यूनानी दवाइयों तथा पंचकर्मा द्वारा हर बीमारी के सफल इलाज के लिए मिलें।
Dr. Nuvneet Kapoor
B.A.M.S., M.D (H.T.R.K.)
Ph.: 0181-5092525
Website : www.hakimtilakraj.in

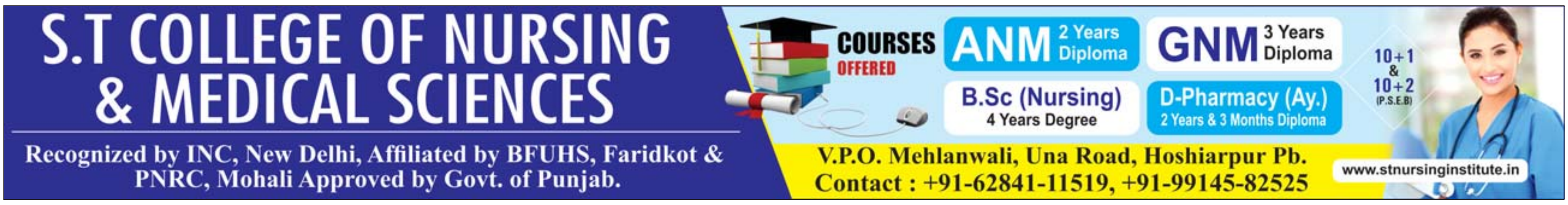

गैंगस्टर गोल्डी बराड़ के सहयोगियों के ठिकानों पर NIA ने दी दबिश, नौ जगह ली गई तलाशी

जालंधर(काजल विज) : पंजाब में एनआईए ने वीरवार सुबह रेड की। एनआईए की कार्रवाई के तार लॉरेंस बिश्नोई से जुड़ हैं। श्री फतेहगढ़ साहिब में चार स्थानों पर रेड हुई। सुबह करीब 3 बजे से लेकर 9 बजे तक एनआईए की कार्रवाई चली। जिसकी किसी को कानों-कान खबर तक नहीं होने दी गई। एनआईए के साथ पंजाब पुलिस की टीम भी थी। जानकारी के अनुसार सरहिंद शहर के रहने वाले मोहित नाम के युवक को एनआईए अपने साथ ले गई है।

श्री फतेहगढ़ साहिब में वीरवार सुबह एनआईए ने चार स्थानों पर रेड की। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार एनआईए की कार्रवाई गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई से जुड़ हैं। एनआईए की टीम वीरवार तड़के करीब 3 बजे पांच गाड़ियों में सबसे पहले श्री फतेहगढ़ साहिब के गांव वजीरनगर पहुंची। जहां सुरजीत गिरी महंत से पूछताछ की शुरूआत हुई। बताया जा रहा है कि महंत से अलगावादी प्रचार की फंडिंग को लेकर पूछताछ हुई। पूछताछ के दौरान ही एनआईए की एक टीम वहीं रुक गई, जबकि चार

गाड़ियां सरहिंद के लिये रवाना हो गईं। पंजाब पुलिस के साथ एनआईए की टीम ने दिन निकलने से पहले ही सरहिंद में तीन स्थानों पर रेड की। जिसमें दो रेड सरहिंद शहर में हुई, जबकि एक फतेहगढ़ साहिब में हुई। सरहिंद शहर में दो स्थानों पर रेड के दौरान एनआईए ने युवकों के मोबाइल फोन और सोशल मीडिया अकांउट खंगाले। सरहिंद शहर में मोहित नाम के युवक के घर एनआईए की टीम सुबह 7.30 बजे पहुंची।

डेढ घंटे से ज्यादा समय तक एनआईए की टीम ने मोहित से पूछताछ की। इस दौरान उसके फेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हट्सएप जैसे सोशल मीडिया अकांउट को खंगाला गया। बताया जा रहा है कि मोहित को एनआईए अपने साथ ले गई। इसी दौरान एनआईए की एक टीम सरहिंद शहर में ही रहने वाले गुरदीप सिंह पिंटू नामक युवक के घर पहुंची। उससे उसके सिम कार्ड की जानकारी ली गई।

एसी रिपेयर का काम करने वाले पिंटू नाम के युवक ने मोहित को सिम कार्ड उपलब्ध करवाया था। सूत्रों के अनुसार उस सिम कार्ड के जरिये गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई से था। गुरदीप सिंह पिंटू सेवानिवृत फौजी का बेटा है। इसके बाद एनआईए की टीम ने दिवंगत पुलिस अधिकारी सुरेंद्र कुमार के घर पर रेड की। दिवंगत पुलिस अधिकारी के बेटे शिव ठाकुर से भी फंडिंग को लेकर जानकारी ली गई। उसके बैंक ट्रांजैक्शन रिकार्ड को भी एनआईए ने चैक किया।

फतेहगढ़ साहिब के एसपी डी राकेश यादव ने बताया कि आज सुबह फतेहगढ़ साहिब में एनआईए ने रेड की। इसकी जानकारी पंजाब पुलिस को दी गई थी। पंजाब पुलिस की टीम एनआईए के साथ थी। एनआईए ने सभी को नोटिस जारी कर आगे की जांच के लिये तलब किया है। एसपी डी के मुताबिक मामले के तार गैंगस्टर्स से जुड़े हुए हैं, जिनकी जांच एनआईए कर रही है।

राहुल बोले-मोदी-शाह ने निवेशकों के 30 लाख करोड़ डुबाए : शेयर मार्किट में ये सबसे बड़ा स्कैम

जालंधर(हिमांशु) : कांग्रेस सांसद राहुल गांधी का कहना है कि एग्जिट पोल के कारण शेयर बाजार में छोटे रिटेल इन्वेस्टर्स

को 30 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। प्रधानमंत्री, गृह मंत्री और वित्त मंत्री ने निवेशकों को चुनाव के समय शेयर बाजार में पैसा लगाने की सलाह दी थी। इसे एक बड़ा घोटाला बताते हुए राहुल गांधी ने संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) द्वारा इसकी जांच करवाए जाने की मांग की है। राहुल गांधी का कहना है कि चुनाव के समय प्रधानमंत्री ने दो-तीन बार शेयर बाजार में तेजी आने की बात कही। गृह मंत्री ने सीधा कहा कि 4 जून को यह आसमान में जाएगा, लोगों को खरीदना चाहिए। वित्त मंत्री ने भी यही बातें दोहराई। राहुल गांधी का आरोप है कि इंटेलिजेंस एजेंसी ने पहले ही सरकार को बता दिया था कि उनकी 200 से 220 सीटें आने का अनुमान है, बावजूद इसके रिटेल इन्वेस्टर्स को शेयर बाजार में इन्वेस्ट करने की सलाह दी गई। वहीं, गलत एग्जिट पोल के कारण पहले शेयर बाजार में जबरदस्त तेजी आई फिर अगले दिन नतीजे आने पर बड़ी गिरावट देखी गई। उन्होंने कहा कि इस गिरावट के कारण 5 करोड़ से अधिक परिवार, जोकि शेयर बाजार में निवेश करते हैं, उन्होंने लाखों करोड़ रुपए का नुकसान झेला है।

एग्जिट पोल और शेयर मार्केट के बीच संबंधों की जांच भी जेपीसी द्वारा की जानी चाहिए। उनका आरोप है कि छोटे भारतीय रिटेल निवेशकों की कीमत पर किसी ने यहां लाखों करोड़ रुपए बनाए हैं। कांग्रेस सांसद ने कहा कि इस पूरे मामले में हम प्रधानमंत्री, गृहमंत्री, विदेशी निवेशकों और एग्जिट पोल करने वालों पर जांच चाहते हैं। सरकार के पास सूचना थी कि 4 जून को क्या होने वाला है। जब स्वयं प्रधानमंत्री, गृह मंत्री व वित्त मंत्री ऐसी बातें करते हैं तो लोग निवेश करते हैं। यह एक बहुत बड़ा घोटाला है, जिसमें छोटे निवेशकों के लाखों करोड़ों रुपए चले गए। अब विपक्ष की ताकत संसद के भीतर पहले से कहीं ज्यादा है। विपक्ष इस मुद्दे पर संसद के भीतर अपनी बात रखेगा और सरकार पर जेपीसी जांच के लिए दबाव बनाया जाएगा।

चीनी वीजा मामले में कार्ति चिदंबरम को बड़ी राहत, दिल्ली कोर्ट से मिली नियमित जमानत

जालंधर(नितिका) : दिल्ली की एक अदालत ने गुरुवार को कांग्रेस नेता कार्ति चिदंबरम को कथित चीनी वीजा घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जमानत दे दी। कार्ति चिदंबरम राउज एवेन्यू कोर्ट की जज कावेरी बावेजा के समक्ष पेश हुए। अदालत ने इससे पहले मामले में चिदंबरम और उनके पूर्व चार्टर्ड अकाउंटेंट एस. भास्कररमन के खिलाफ ईडी के आरोपपत्र पर संज्ञान लिया था। जज ने उन्हें एक लाख रुपये के निजी मुचलके और इतनी ही राशि पर जमानत दी। अप्रैल में अदालत ने इसी मामले में तीन आरोपियों को अंतरिम जमानत दी थी।

इस मामले में चिदंबरम के अलावा एडवांटेज स्ट्रैटेजिक कंसल्टिंग प्राइवेट लिमिटेड, तलवंडी साबो पावर लिमिटेड और अन्य को भी आरोपी बनाया गया है। ईडी ने आईपीसी और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के प्रावधानों के तहत

सीबीआई की एफआईआर के आधार पर जांच शुरू की थी। ईडी की जांच से पता चला कि चिदंबरम ने तलवंडी साबो पावर लिमिटेड द्वारा चीन के लिए वीजा दिलाने के बदले में अपने करीबी सहयोगी भास्कररमन से कथित तौर पर 50 लाख रुपये की अवैध रिश्वत ली थी। ईडी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा था, यह कंपनी पंजाब के मानसा में एक पावर प्रोजेक्ट स्थापित करने में शामिल थी। कंपनी के अधिकारियों ने गृह मंत्रालय से वीजा की मंजूरी के लिए कार्ति चिदंबरम से संपर्क किया था। उस समय उनके पिता पी. चिदंबरम गृह मंत्री थे। अधिकारी ने कहा कि इस मामले में कंपनी ने एक डेटा एंट्री ऑपरेटर को 50 लाख रुपये का चेक दिया और फिर एंट्री ऑपरेटर ने भास्कररमन को 50 लाख रुपये नकद दिए।

अधिकारी ने कहा, इसके बाद, एस. भास्कररमन ने 50 लाख रुपये की यह नकद राशि एडवांटेज स्ट्रैटेजिक कंसल्टिंग प्राइवेट लिमिटेड में निवेश कर दी, जो कार्ति चिदंबरम के नियंत्रण में है। समय के साथ, इस निवेश का मूल्य बढ़कर 1.59 करोड़ रुपये हो गया, जो पीएमएलए के प्रावधानों के तहत अपराध की आय है।

आवश्यकता पंजाब के हर शहर व कस्बे से वंदे भारत 24 के लिए पत्रकारों की जरूरत है। चाहवान सम्पर्क कर सकते है। मोब. 97814-00247, 97804-00247

पंजाब में कांग्रेस को मिली ऑक्सीजन...

कई दिग्गजों की राह कठिन, खतरे में सियासी भविष्य

जालंधर (हर्ष शर्मा) : पंजाब में 2024 के लोकसभा चुनाव परिणाम के बाद कई दिग्गज नेताओं के लिए नई चुनौतियां खड़ी हो गई है। वहीं कई नेताओं का भविष्य खतरे में पड़ गया है। इन लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को ऑक्सीजन जरूर मिली है, लेकिन बाकी पार्टियों व नेताओं के लिए चुनाव काफी चुनौती व खतरे की घंटी है।

सुखबीर बादल के लिए खतरे की घंटी

अकाली दल के सुप्रीमो सुखबीर बादल के लिए यह खतरे की घंटी है। पंजाब में अमृतपाल सिंह व सर्बजीत सिंह खालसा के सांसद बनने से पंथक नेताओं को एक मंच मिल गया है। अकाली दल एक सीट पर सिमट गया है। 2019 में अकाली दल के दो सांसद थे जबकि 2014 में जब पंजाब में आप की लहर चली थी और चार सांसद जीते थे, उस समय भी अकाली के चार सांसद लोकसभा पहुंचे थे। इनमें हरसिमरत कौर बादल, रंजीत सिंह ब्रह्मपुरा, प्रेम सिंह चंदूमाजरा व शेर सिंह घुबाया शामिल थे।

2009 में भी शिअद के चार सांसद थे और वोट शेयर 34.28 फीसदी था जो अब सिमटकर 13 फीसदी पर आकर गिर गया है। सुखबीर बादल के लिए आगे का रास्ता कठिन है। बिक्रम मजीठिया से खटपट जगजाहिर हो चुकी है वहीं अपने जीजा व पूर्व सीएम के पोते आदेश प्रताप कैरों को पार्टी से चलता कर दिया है।

जिसका विरोध ढींडसा, बीबी जागीर कौर ने भी किया है। संगरूर से चुनाव हारने वाले इकबाल सिंह झुंदा कमेटी की रिपोर्ट अभी लागू नहीं हुई है, जिसमें सुखबीर बादल के स्थान पर किसी अन्य को पार्टी अध्यक्ष बनाने की सिफारिश की गयी है। अकाली दल कई सीटों पर अपनी जमानत भी नहीं बचा पाया है। सुखबीर बादल की प्रधानगी को लेकर फिर से चिंगारी उठ सकती है। पंथक नेता सुखबीर बादल को हर तरफ घेर रहे हैं।

अकाली दल के बड़े चेहरों प्रेम सिंह चंदूमाजरा व डॉ. दलजीत सिंह चीमा जैसे नेता बुरी तरह से हार गए हैं।

कैप्टन की राजनीतिक पारी को विराम : दूसरी तरफ कैप्टन अमरिंदर सिंह की राजनीतिक पारी पर विराम लगता दिखाई दिया है। इन चुनावों में कैप्टन अमरिंदर सिंह की तरफ से बिलकुल प्रचार नहीं किया गया है। कैप्टन अमरिंदर सिंह की पत्नी परनीत कौर अपनी सीट नहीं बचा पाई हैं। उनकी बेटी जयइंद्र कौर महिला भाजपा की स्टेट प्रधान है, लेकिन उनकी तरफ से भी इस चुनाव में सक्रियता नहीं दिखाई गई है। भाजपा प्रधान सुनील जाखड़ को लेकर पार्टी के भीतर पहले ही रोष है कि टकसाली भाजपाई के स्थान पर कांग्रेस से आए जाखड़ को लगाया गया है, लेकिन पार्टी द्वारा पंजाब में शून्य पर आउट होने से जाखड़ की कुर्सी पर खतरा मंडराने लगा है। 2019 में भाजपा ने पंजाब में दो सीट जीती थी, जिसमें एक होशियारपुर व दूसरी गुरदासपुर की थी लेकिन इस बार दोनों सीट हार गई है। इतना ही नहीं पीएम मोदी ने पंजाब में चार लोकसभा क्षेत्रों में रैलियां की और उन चारों सीटों पर भाजपा हार गई है।

भाजपा में शामिल होने के बाद हार गए बिट्टू

पंजाब के पूर्व सीएम बेअंत सिंह के पोते रवनीत बिट्टू लुधियाना से तीन बार सांसद बने थे लेकिन भाजपा में शामिल होने के बाद हार गए हैं। उनके लिए आगे रास्ता कठिन है क्योंकि पार्टी का कैडर उनको पचा नहीं पा रहा है। विजय सांपला इस सीट के इंचार्ज थे और सीट हारने से सांपला को भी हाईकमान को उत्तर देना होगा। सांपला आगे ही भाजपा में हाशिये पर चल रहे हैं। उनके बायां व दहिना हाथ रॉबिन सांपला व प्रदीप खुल्लर चुनावों से ठीक पहले भाजपा को अलविदा कहकर आप में चले गए थे। इसको लेकर सांपला पर सवाल उठ रहे हैं। वहीं केंद्रीय राज्यमंत्री सोमप्रकाश की पत्नी अनिता सोमप्रकाश के चुनाव हारने से सोमप्रकाश की राजनीति पर भी आगे के लिए प्रश्नचिन्ह लग गया है। कांग्रेस को अलविदा कहकर भाजपा में शामिल होने वाली पूर्व सांसद संतोख सिंह की पत्नी कर्मजीत कौर के अलावा उनके बेटे फिल्लौर से विधायक बिक्रम चौधरी भी कुछ जलवा नहीं दिखा पाए हैं। हालात यह है कि फिल्लौर से भाजपा 34 हजार वोटों से हार गई।

आप का रास्ता कठिन

आप के लिए आगे का रास्ता कठिन होने वाला है। 2022 के विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी को 42 प्रतिशत मतों के साथ राज्य की 117 में से 92 सीटों पर जीत मिली थी। मात्र सवा दो साल में पार्टी का मत प्रतिशत गिर कर 26 प्रतिशत पर आ टिका। पार्टी ने पांच मंत्रियों व इतने ही विधायकों को चुनाव मैदान में उतारा। इनमें से केवल एक विधायक ही जीत दर्ज कर पाए हैं। सीएम मान के लिए पार्टी के ग्राफ को बढ़ाना एक बड़ी चुनौती होगी। चुनावों से पहले पार्टी के सांसद सुशील रिंकू व विधायक शीतल अंगुराल पार्टी को अलविदा कह चुके हैं। लिहाजा पार्टी के मत प्रतिशत को बढ़ाना उनके लिए चुनौती है।

दोआबा में चन्नी कद्दावर नेता बनकर उभरे

चौधरी व केपी परिवार की सियासत आगे आसान नहीं है। चन्नी एक बड़े दलित नेता के रूप में दोआबा में कद्दावर नेता बनकर उभरे हैं। अमृतपाल सिंह खालसा के बाद उनकी लीड सबसे अधिक है। केपी पंजाब के प्रधान रह चुके हैं। सांसद के अलावा दो बार कैबिनेट मंत्री रहने के बावजूद केपी अपनी जमानत नहीं बचा पाए हैं। उन्होंने अकाली दल की टिकट पर चुनाव लड़ा था। दोनों परिवार पंजाब की दलित राजनीति का केंद्र बिंदु थे और दोनों हाशिये पर चले गए हैं।

मामूली बात पर कहासुनी के बाद ली दोस्त की जान, तीन युवकों ने तेजधार हथियार से रेत दिया गला

जालंधर (दीपांशु चोपड़ा) : लुधियाना में मामूली बात को लेकर हुई कहासुनी के बाद तीन दोस्तों ने अपने साथी की हत्या कर दी। वारदात गांव बाड़ेवाल इलाके में सुआ रोड पर हुई। आरोपियों ने मारपीट करने के बाद तेजधार हथियार से गला रेत कर युवक की हत्या की। हत्या के बाद आरोपी शव खाली प्लाट में फेंक कर फरार हो गए।

घटना का पता उस समय चला जब मृतक विकास कुमार (26) का भाई बिक्कू कुमार उसे ढूंढते हुए जा रहा था। जब तक वह कुछ कर पाता आरोपी फरार हो गए थे। जिसके बाद बिक्कू ने इसकी जानकारी पुलिस को दी। सूचना मिलने के बाद थाना सराभा नगर की पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने बिक्कू की शिकायत पर सूरज कुमार उर्फ गुल्लू, मनोज साहनी और अजय साहनी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया है। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है।

बिक्कू कुमार ने बताया कि उसका भाई पेंटर था। जिस दिन चुनाव के नतीजे आए थे उस रात करीब 11 बजे तक उसका भाई घर नहीं पहुंचा। उसने विकास का फोन लगाया, लेकिन संपर्क नहीं हो पाया। जिसके बाद बिक्कू उसे ढूंढने के लिए निकल पड़ा। जब वह गांव बाड़ेवाल में सुआ रोड के पास पहुंचा तो उसने देखा कि तीन लोग उसके भाई की पिटाई कर रहे हैं। मनोज और अजय ने उसके भाई को उसके हाथों से पकड़ लिया, जबकि सूरज ने उस पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। जब उसने शोर मचाया तो आरोपी उसके भाई को खून से लथपथ छोड़कर मौके से फरार हो गए।

उन्होंने अपने परिवार के सदस्यों को बुलाया और विकास को अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। थाना सराभा नगर के एसएचओ इंस्पेक्टर परमवीर सिंह ने बताया कि आरोपी अभी फरार है। उनकी तलाश में छापामारी की जा रही है। अभी तक की जांच में पता चला है कि किसी मामूली बात को लेकर कहासुनी हुई थी। अब बात क्या हुई थी आरोपियों के गिरफ्तार होने के बाद ही सही पता चल सकेगा। तलाश जारी है और आरोपियों को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

घर के बाहर कांग्रेस का बूथ लगाने पर विवाद में हत्या, आम आदमी पार्टी के सरपंच पर केस दर्ज

जालंधर (हिमांशु) : मुक्तसर में एक जून को घर के बाहर कांग्रेस पार्टी का बूथ लगाने पर हुए विवाद में एक व्यक्ति की हत्या कर दी गई। बता दें कि मतदान वाले दिन सरपंच ने कांग्रेस से संबंधित दो भाइयों को धमकियां दी थीं और मतगणना वाले दिन 4 जून को देर शाम कांग्रेस पार्टी से संबंधित पक्ष के घर पर हमला कर दिया। जिसमें कांग्रेस कार्यकर्ता एक व्यक्ति की बुधवार को इलाज के दौरान मौत हो गई। जबकि उसका भाई भी गंभीर रुप से घायल है। इस मामले में पुलिस ने सरपंच समेत 14 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है।

पुलिस को दिए बयान में मृतक गुरमीत सिंह (50) निवासी कक्खांवाली के बेटे गुरजंट सिंह ने बताया कि सरपंच दलीप राम ने मतगणना वाले दिन देर शाम को पहले तो उनके घर पर हमला कर दिया। फिर जब वह पिता व चाचा को इलाज के लिए सिविल अस्पताल लंबी लेकर जा रहे थे तो रास्ते में फिर से उन्हें घेर कर मारपीट की। जिसके चलते उसके पिता की अस्पताल में मौत हो गई। गुरमीत सिंह के अनुसार वे मजदूरी करते हैं। एक जून को लोकसभा चुनाव वाले दिन कांग्रेस पार्टी द्वारा उसके चाचा मनजीत राम के घर के आगे बूथ लगाया गया था। इस दौरान आप से संबंधित गांव का सरपंच दलीप आया और उसके चाचा मनजीत राम व पिता गुरमीत राम से उक्त जगह पर कांग्रेस का बूथ न लगाने को कहा। साथ ही बूथ न हटाने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी।

चार जून की शाम करीब साढ़े छह बजे उसके पिता गुरमीत राम चाचा के घर में बैठे हुए थे। इतने में सरपंच दलीप सिंह अपने 14 साथियों के साथ तेजधार हथियारों के साथ उनके घर में घुस आया और जानलेवा हमला कर दिया। सरपंच दलीप ने तेजधार हथियार से उसके चाचा के सिर पर वार किया। शोर मचाने पर आसपास के लोग इकट्ठे हो गए और उक्त आरोपी मौके से फरार हो गए।

मामले की जांच कर रहे एसआई बलराज सिंह ने बताया कि हमले में घायल गुरमीत राम की मौत होने के बाद मृतक के बेटे के बयान पर सरपंच दलीप राम पुत्र हरबंस राम, उसके भाई मलकीत राम, बूटा राम पुत्र हंसा, संदीप राम पुत्र मलकीत राम, संदीप राम पुत्र हरबंस राम, गगनदीप राम पुत्र कश्मीरी राम, बूटा राम पुत्र शंकर राम, बूटा राम पुत्र हंसा राम, हरबंस सिंह पुत्र मल्ल सिंह, हैप्पी पुत्र सतपाल निवासी कक्खांवाली, जसवीर सिंह पुत्र बोघा सिंह, हर्षपिंदर सिंह पुत्र हरदीप सिंह, रमेश कुमार पुत्र महंगा राम, अमृतपाल सिंह पुत्र स्वर्ण सिंह निवासी पंजावा के खिलाफ धारा 302, 307, 452, 506, 148, 149 आइपीसी के तहत केस दर्ज कर लिया गया है। आरोपी अभी फरार हैं। गिरफ्तारी के लिए छापामारी की जा रही है।

किसानों के मुद्दे पर पहले भी घिरी हैं कंगना

रोपड़ में माफी मांगकर हुई थीं रवाना, आज महिला जवान ने मारा थप्पड़

जालंधर (हर्ष शर्मा) : किसानों के खिलाफ बयानबाजी को लेकर कंगना रनौत को चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर सीआईएसएफ की महिला जवान ने थप्पड़ मारा है। लेकिन ऐसा पहली बार नहीं हुआ है कि किसानों के मुद्दे पर कंगना घिरी हों। इससे पहले भी कंगना रनौत को किसान यूनियनों ने कीरतपुर साहिब में दो घंटे तक घेरे रखा था। इस दौरान कंगना रनौत मनाली से मुंबई जाने के लिए चंडीगढ़ हवाई अड्डे जा रही थीं। सूचना मिलने पर किसानों ने बुंगा साहिब के नजदीक कंगना की गाड़ी को घेर लिया और जमकर प्रदर्शन किया था।

किसान माफी मांगवाने की जिद्द पर अड़े

पंजाब पुलिस के कई सीनियर अधिकारी मौके पर पहुंचे थे। इस दौरान पंजाब पुलिस के अधिकारियों ने किसानों को काफी समझाने की कोशिश की, लेकिन किसान माफी मांगवाने की जिद्द पर अड़े रहे। वहीं, महिलाओं ने भी कंगना की गाड़ी के आगे रोष व्यक्त कर माफी मांगने को कहा था।

इस दौरान कंगना ने अपने सोशल मीडिया इंस्टाग्राम अकाउंट से कार में बैठकर लाइव किया और पोस्ट किया कि उनको किसानों के नाम पर घेर लिया गया है। जब पुलिस प्रशासन के आला अधिकारी मौके पर पहुंचे तो कंगना रनौत के मैनेजर ने कंगना से बात की तो इस बात के लिए वह राजी हुईं कि वह किसान महिलाओं से माफी मांगती हैं।

जिसके बाद कंगना ने एक महिला को गाल पर हाथ लगाते हुए कहा कि तुम मेरी मां जैसी हो मुझे जाने दो। इस दौरान कंगना द्वारा जारी एक वीडियो में कंगना ने महिला से कहा कि मेरे शब्द आपके लिए नहीं, शाहीन बाग के बारे में थे। इसके बाद महिलाएं शांत हुईं और कंगना को बाहर निकलने को कहा। कंगना बाहर निकलीं, उन्होंने हाथ हिलाया और कंगना ने माफी मांग ली। बता दें कि कंगना ने कई बार पंजाब की किसान महिलाओं पर विवादित टिप्पणी की है।

क्या था कंगना रनौत का वो बयान? जिसकी वजह से चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर हुआ थप्पड़ कांड

जालंधर (दीपांशु चोपड़ा) : चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर भाजपा की नवनिर्वाचित सांसद कंगना रनौत को सीआईएसएफ की एक महिला जवान ने थप्पड़ मार दिया. आरोपी को सस्पेंड कर दिया गया है. इस मामले में कंगना ने एक वीडियो बयान जारी किया है. उन्होंने बताया है कि दिल्ली जाते वक्त चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर सुरक्षा जांच के दौरान सीआईएसएफ की महिला जवान कुलविंदर कौर ने उन्हें थप्पड़ मारा. आरोपी का भी बयान आया है, जिसमें उसने कंगना के एक बयान का जिक्र किया है. इसे ही थप्पड़ मारने की वजह भी बताया है.

आरोपी कुलविंदर कौर ने थप्पड़ मारने के बाद कहा कि कंगना ने बोला था '100-100 रुपये के लिए महिलाएं किसान आंदोलन में बैठी हैं. क्या ये वहां पर बैठी थीं. मेरी मां वहां बैठी थी'. कुलविंदर के इस बयान से जाहिर होता है कि वो किसान आंदोलन के बारे में कंगन की बयानबाजी से नाराज थी. इस घटना को लेकर कंगना ने भी एक वीडियो जारी किया है.

'जब मैंने उससे पूछा कि उसने ऐसा क्यों किया'

इसमें वो कहती हैं, मुझे मीडिया और शुभचिंतकों के बहुत सारे फोन कॉल आ रहे हैं. मैं सुरक्षित और बिल्कुल

ठीक हूं. चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर जो घटना हुई, वो सुरक्षा जांच के दौरान हुई. जैसे ही मैं सुरक्षा जांच के बाद बाहर आई, दूसरे केबिन में बैठी महिला, जो ष्ट्रढ्ढस्स्न सुरक्षा कर्मचारी थी, मेरे चेहरे पर मारा और मुझे गालियां देने लगी. जब मैंने उससे पूछा कि उसने ऐसा क्यों किया तो उसने कहा कि वो किसानों के विरोध का समर्थन करती है. मैं सुरक्षित हूं लेकिन मुझे पंजाब में बढ़ रहे आतंकवाद और उग्रवाद की चिंता है.

'पता लगाना चाहिए कि आखिरकार हुआ क्या था'

इस घटना को लेकर हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने कहा कि चाहे किसी भी तरह की बहस हुई हो लेकिन एक महिला सांसद पर हाथ उठाने की घटना की सही तरीके से जांच होनी चाहिए. पता लगाना चाहिए कि आखिरकार हुआ क्या था. शिमला से बीजेपी सांसद सुरेश कश्यप ने कहा कि महिला सांसद के साथ हुई इस घटना की वो निंदा करते हैं. मामले की जांच होनी चाहिए.

'आगे क्या करना है, यह मोर्चे में तय किया जाएगा'

किसान नेता सरवन सिंह पंधेर ने कुलविंदर कौर पर कार्रवाई की निंदा की है. पंधेर ने कहा कि पहले भी बहुत सारे नेताओं के साथ ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं. जिस तरीके से कंगना की तरफ से किसानों के खिलाफ बोला गया था, यह उनकी (कौर) नाराजगी थी. इस मामले में आगे क्या करना है, यह मोर्चे में तय किया जाएगा और आगे की रणनीति बनाई जाएगी.

पूरे मामले पर एक नजर

कंगना रनौत को चंडीगढ़ से दिल्ली के लिए विस्तारा की फ्लाइट (K707) से सफर करना था. सिक्योरिटी चेक के बाद जब वो फ्लाइट में बोर्डिंग के लिए जा रही थीं. तभी एयरपोर्ट पर मौजूद CISF यूनिट की महिला कर्मी कुलविंदर कौर ने थप्पड़ मार दिया. इसके बाद कंगना के साथ सफर कर रहे मयंक माथुर ने कुलविंदर कौर को थप्पड़ मारने की कोशिश की. घटना से हड़कंप मच गया. आनन-फानन सुरक्षाकर्मियों ने आरोपी को हिरासत में लिया. शुरुआती जांच और पूछताछ के बाद संस्पेंड कर दिया है.

कंगना को थप्पड़ मारने के मामले में महिला जवान निलंबित

एफआईआर के लिए शिकायत दी

जालंधर (नितिका) : हिमाचल प्रदेश की मंडी की नवनिर्वाचित सांसद कंगना रनौत को गुरुवार को चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर एक सीआईएसएफ जवान महिला ने थप्पड़ मार दिया। वाक्य उसे समय हुआ जब कंगना चंडीगढ़ से दिल्ली जा रही थीं। बताया जा रहा है कि किसानों पर कंगना के दिए बयान को लेकर महिला सिपाही नाराज थी।

सूत्रों के अनुसार कंगना रनौत चंडीगढ़ से मुंबई के लिए शहीद भगत सिंह इंटरनेशनल एयरपोर्ट से जब चैकिंग कर रही थीं तो वहां उपस्थित सीआईएसएफ में तैनात महिला सुरक्षा कर्मी ने जब उनसे पूछा कि मैडम आप बीजेपी से जीती हैं।

आपकी पार्टी किसानों के लिए कुछ क्यों नहीं कर रही। इसको लेकर बहस हो गई। इसके बाद आरोप लग रहे है कि सीआईएसएफ की महिला कर्मी ने उन्हें थप्पड़ लगा दिया। हालांकि एयरपोर्ट से सीईओ की ओर से जानकारी जुटाई जा रही है।

लोकसभा चुनाव में हिमाचल प्रदेश की मंडी सीट पर भाजपा प्रत्याशी बॉलीवुड क्वीन कंगना रणौत के सिर जीत का ताज सजा है। कंगना ने मंडी की बाजी मार ली, वहीं कांग्रेस प्रत्याशी विक्रमादित्य सिंह को हार का सामना करना पड़ा है।

संसदीय क्षेत्र मंडी के चुनावी रण में 10 प्रत्याशी उतरे थे। मंडी सीट पर देशभर की नजरें लगी हुई थीं। मुख्य मुकाबला कंगना और विक्रमादित्य सिंह के बीच ही रहा। कंगना ने कुल 5,37,022 वोट हासिल किए।

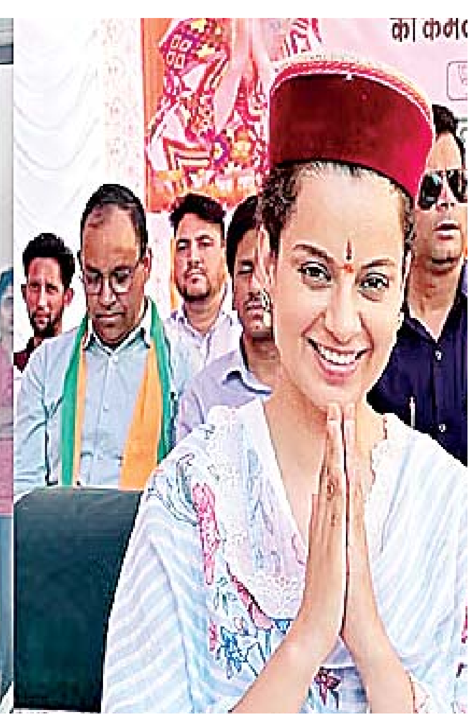

कंगना ने जारी किया वीडियो संदेश

कंगना ने वीडियो संदेश जारी कर कहा कि नमस्ते दोस्तों, मुझे बहुत सारे फोन आ रहे हैं, मीडिया के भी और मेरे शुभचिंतकों के भी।

सबसे पहले तो मैं आपको बता दूं कि मैं सुरक्षित हूं। आज चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर जो हादसा हुआ। सिक्योरिटी चेक के दौरान जैसी ही मैं निकली तो दूसरे कमरे से एक महिला सुरक्षाकर्मी निकली और उन्होंने मुझे साइड से आकर मेरे फेस पर हिट किया और मुझे गालियां देने लगीं।

जब मैंने उनसे पूछा कि आप ऐसा क्यों कर रही हैं तो उनका कहना था कि वो किसान आंदोलन की समर्थक है। मैं सुरक्षित हूं और मेरा सवाल यह है कि जो आतंकवाद और उग्रवाद पंजाब में बढ़ रहा है, हम उससे किस प्रकार से निपटेंगे।

सोशल मीडिया पर महिला जवान का वीडियो वायरल

थप्पड़ कांड के बाद सीआईएसएफ महिला जवान का एक वीडियो वायरल हो रहा है।

जिसमें वह कर रही हैं कि किसान आंदोलन को लेकर जब बयान दिया तब मेरी मां भी वहां बैठी थी।

सीआईएसएफ महिला कांस्टेबल को निलंबित

सीआईएसएफ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि चंडीगढ़ हवाई अड्डे पर भाजपा नेता और अभिनेत्री कंगना रनौत को थप्पड़ मारने के मामले में सीआईएसएफ ने महिला कांस्टेबल को निलंबित कर दिया है।

बताया कि उसके खिलाफ स्थानीय पुलिस स्टेशन में एफआईआर के लिए शिकायत दी है।

हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी ने कहा जांच जारी

भाजपा नेता कंगना रनौत को सीआईएसएफ की महिला कांस्टेबल द्वारा थप्पड़ मारे जाने पर हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी ने कहा कि जांच चल रही है और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। यह दुखद है कि सुरक्षा में शामिल एक व्यक्ति इसमें शामिल है। जो कुछ भी हुआ वह गलत था।

आवश्यकता पंजाब के हर शहर व कस्बे से वंदे भारत 24 के लिए पत्रकारों की जरूरत है। चाहवान सम्पर्क कर सकते है। मोब. 97814-00247, 97804-00247

मोहिंदर भगत का राजनीतिक कैरियर संकट में

उपचुनाव में वेस्ट हल्के से कट सकता है टिकट, वेस्ट हल्के में सबसे खराब परफॉर्मेंस, सीएम मान बेहद खफा

वेस्ट हल्के की कमान संभालने वाले नेताओं पर गिरेगी गाज

जालंधर(नितिका): आम आदमी पार्टी के वेस्ट विधानसभा से हलका इंचार्ज मोहिंदर भगत का राजनीतिक कैरियर संकट में फस गया है।

लोकसभा चुनाव में वेस्ट हलके की परफॉर्मेंस सबसे ज्यादा खराब रही। यहां आम आदमी पार्टी को सबसे कम सिर्फ 15629 वोट ही मिल पाए। वेस्ट हलके में भाजपा को 42937 और कांग्रेस को 44394 वोट मिले हैं। यानी कांग्रेस से तकरीबन 29000 वोट कम। सबसे ज्यादा शोर भी पार्टी के वेस्ट हलके के नेताओं ने ही मचा रखा था।

सोशल मीडिया से लेकर अन्य प्लेटफार्म पर भी सबसे ज्यादा डींगें वेस्ट हलके के नेताओं ने ही मारे थे। मगर ज़मीन पर यह नेता कहीं भी नहीं थे। यही कारण रहा की वेस्ट हल्के मैं झाड़ू बुरी तरह से बिखर गया।

चुनाव के दौरान ही पार्टी ने हलका इंचार्ज की कमान मोहिंदर भगत को सोपी थी और पार्टी को पूरी उम्मीद थी कि वह हल्के में पार्टी को एकजुट करेंगे। मगर ऐसा हो ना सका और मोहिंदर भगत के सारे मोहरें और प्यादे पिट गए। इतनी बुरी परफॉर्मेंस की गाज अब मोहिंदर भगत पर गिरनी तय है।

ही दिनों में चुनाव आयोग वेस्ट विधानसभा हलके में उपचुनाव की तारीखों का ऐलान कर सकता हैं। ऐसे में अब टिकट की उम्मीद वाले मोहिंदर भगत के हाथ निराशा ही लग सकती है।

महेंद्र भगत की अब टिकट कटना तय है। वही वेस्ट हल्के में ज्यादा उछल कूद करने वाले नेताओं का पत्ता भी साफ हो सकता है।

पंजाब में अगले 3 दिनों तक बारिश और तेज हवाओं का अलर्ट, 18 जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी

जालंधर (संदीप मान): दरअसल, लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिलने वाली है। मौसम विभाग ने अगले 3 दिनों तक पंजाब में बारिश की संभावना जताई है। इसके साथ ही पश्चिमी विक्षोभ के कारण तेज हवाएं भी चल सकती हैं। मौसम विभाग की ओर से राज्य के 18 जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

इस अलर्ट के मुताबिक, पंजाब में 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलेंगी और बारिश भी होगी। जिन 18 जिलों में अलर्ट जारी किया गया है, उनमें पठानकोट, गुरदासपुर, अमृतसर, तरनतारन, फिरोजपुर, मोगा, कपूरथला, जालंधर, होशियारपुर, लुधियाना, नवांशहर, रूपनगर, एस.ए.एस. नगर, फतेहगढ़ साहिब, पटियाला, संगरूर, मालेरकोटला और बरनाला शामिल हैं। फिलहाल पंजाब में पिछले कुछ दिनों से तापमान में गिरावट आई है और पिछले 24 घंटों में 1.2 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई है। पिछले कुछ दिनों से पंजाब में पश्चिमी विक्षोभ भी सक्रिय है, जिसके कारण चल रही हवाओं से तापमान में गिरावट आ रही है।

तेज आंधी से दुर्घटना में पत्रकार की मौत, बरनाला में कई जगह लगी आग से करोड़ों का नुकसान

जालंधर (काजल विज): तेज आंधी के चलते हुई दुर्घटना में पटियाला के एक समाचार एजेंसी के पत्रकार अविनाश कंबोज की मृत्यु हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पत्रकार करीब सवा नौ बजे अपने घर जा रहा था।

जब वह आर्य समाज चौक पहुंचा, तो तेज आंधी के चलते उस पर बिजली का खंभा गिर गया। सिर पर गहरी चोट लगने से वह सड़क पर गिर गया। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

उधर, बरनाला जिले में बुधवार देर रात तेज हवाओं के कारण जिले में चार स्थानों पर आग लगने की घटनाएं हुईं। इनमें ट्राइडेंट और आईओएल धौला फैक्टरी में लगी आग की लपटें दूर-दूर के गांवों तक दिखाई दीं।

इसके अलावा, गांव ठीकरीवाल, महल कलां और बड़बर में भी तेज हवाओं के कारण आग लगने की घटनाएं हुई हैं। ट्राइडेंट में लगी भीषण आग से आसपास के गांवों में दहशत का माहौल है।

गुरुद्वारों और अन्य धार्मिक स्थलों से पानी की टंकियां धौला फैक्टरी में भेजने की घोषणा की जा रही है।

जानकारी के मुताबिक, फैक्टरी में रखे भूसे में आग लगने से पूरी फैक्टरी आग की चपेट में आ गई। इससे आसपास के गांव भैणी, जस्सा, फतेहगढ़, छना, और धौला के लोगों के लिए खतरा पैदा हो गया है। बताया जा रहा है कि आग लगने से करोड़ों रुपये का नुकसान हुआ है। बरनाला-मानसा हाईवे रोड समेत फैक्टरी के आसपास के गांवों को जाने वाली लिंक सड़कों पर भी पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया है। इसके साथ ही बरनाला के साथ लगते जिलों से भी दमकल की गाड़ियां पहुंचनी शुरू हो गई हैं। लोग सोशल मीडिया पर भी आग पर काबू पाने और ग्रामीणों को बचाने की अपील कर रहे हैं।

परिणाम भुगतना पड़ेगा... घर के बाहर कांग्रेस का बूथ लगाया तो सरपंच ने दी धमकी; और फिर शाम में शुरू हुआ खूनी खेल

जालंधर(जसवीर): श्री मुक्तसर साहिब। लंबी के गांव कक्खांवाली में एक जून को घर के बाहर कांग्रेस पार्टी का बूथ लगाने पर आम आदमी पार्टी से संबंधित सरपंच दलीप सिंह ने पहले दो भाइयों को धमकी दी और फिर मतगणना के दिन देर शाम को घर में घुसकर उन पर तेजधार हथियारों से जानलेवा हमला कर बड़े भाई की हत्या कर दी जबकि छोटा गंभीर रूप से घायल है। मृतक की पहचान गुरमीत सिंह (50) निवासी कक्खांवाली के रूप में हुई है। मृतक के बेटे गुरजंट सिंह ने बताया कि सरपंच ने पहले घर में हमला किया और फिर जब वे पिता व चाचा को इलाज के लिए सिविल अस्पताल लंबी लेकर जा रहे थे तो रास्ते में फिर से उन्हें घेर कर हमला किया गया।जिसके चलते उसके पिता की अस्पताल मौत हो गई। उधर, थाना लंबी पुलिस ने मामले में सरपंच दलीप सिंह समेत 14 आरोपितों के खिलाफ हत्या सहित अन्य धाराओं के तहत केस दर्ज कर लिया है। सभी आरोपित फरार चल रहे हैं।

सरपंच ने मतदान के दिन दी थी धमकी, कहा था बूथ लगाने के परिणाम भुगतने पड़ेंगे-पुलिस को दी शिकायत में गुरजंट सिंह पुत्र गुरमीत सिंह निवासी गांव कक्खांवाली ने बताया कि वे मजदूरी का काम करता है। एक जून को लोकसभा चुनाव वाले दिन कांग्रेस पार्टी द्वारा उसके चाचा मनजीत राम के घर के आगे बूथ लगाया गया था।

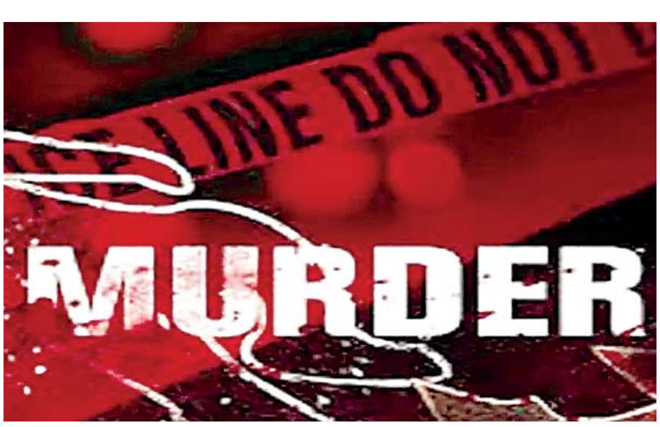

इस दौरान गांव का सरपंच दलीप राम जोकि आम आदमी पार्टी का कार्यकर्ता है, ने उसके चाचा मनजीत राम व पिता गुरमीत राम से कहा कि आप अपने घर के पास से कांग्रेस का बूथ न लगाएं। पिता व चाचा ने जवाब में कहा कि अब तो बूथ लग गया है हम कैसे इसे हटाएं तो सरपंच गुस्से में यह कहते हुए वहां से चला गया कि उसके कहने के बावजूद आप लोगों ने कांग्रेस का बूथ घर के आगे नहीं हटाया।

धमकी देते हुए कहा कि आप लोगों को इसके परिणाम भुगतने पड़ेंगे। मतगणना वाले दिन चार जून की शाम करीब साढ़े छह बजे पिता गुरमीत राम और चाचा के घर में दोनों भाई बैठे हुए थे। इतने में सरपंच दलीप सिंह अपने 14 साथियों के साथ तेजधार हथियारों के साथ उनके घर में घुस आया और जानलेवा हमला कर दिया।

सरपंच दलीप ने तेजधार हथियार से उसके चाचा के सिर पर वार किया। शोर मचाने पर आसपास के लोग इकट्ठे हो गए और उक्त आरोपित मौके से फरार हो गए।

चाचा के बेटे गुरसेवक सिंह ने इलाज के लिए सवारी का प्रबंध करके पिता व चाचा को इलाज के लिए लंबी के सरकारी अस्पताल में भर्ती करवाने के लिए ले जा रहे थे कि रास्ते में फिर से हमलावरों ने लंबी गांव के समीप उनका रास्ता रोक लिया और तेजधार हथियारों से पिता व चाचा को जान से मारने के लिए वार किए।दोनों को अधमरा कर आरोपित फरार हो गए। घायल अवस्था में चाचा व पिता को लंबी अस्पताल में भर्ती करवाया लेकिन डाक्टरों ने दोनों की हालत को गंभीर देखते हुए बठिंडा के सरकारी अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। जहां इलाज के दौरान पिता गुरमीत राम की देर रात मौत हो गई है।

आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए की जा रही छापेमारी

मामले की जांच कर रहे एसआइ बलराज सिंह ने बताया कि हमले में घायल गुरमीत राम की मौत होने के बाद मृतक के बेटे के बयानों पर सरपंच दलीप राम पुत्र हरबंस राम, इसके भाई मलकीत राम,बूटा राम पुत्र हंसा,संदीप राम पुत्र मलकीत राम, संदीप राम पुत्र हरबंस राम,गगनदीप राम पुत्र कशमीरी राम, बूटा राम पुत्र शंकर राम। बूटा राम पुत्र हंसा राम, हरबंस सिंह पुत्र मल्ल सिंह,हैप्पी पुत्र सतपाल निवासी कक्खांवाली, जसवीर सिंह पुत्र बोघा सिंह, हर्षपिंदर सिंह पुत्र हरदीप सिंह, रमेश कुमार पुत्र महंगा राम,अमृतपाल सिंह पुत्र स्वर्ण सिंह निवासी पंजावा के खिलाफ धारा 302,307,452,506,148,149 आइपीसी के तहत केस दर्ज कर लिया गया है। आरोपित अभी फरार हैं। गिरफ्तारी के लिए छापामारी की जा रही है।

कांग्रेस के ‘गारंटी कार्ड’ के लिए लखनऊ दफ्तर पर महिलाओं की भीड़, फार्म जमा करने की अफवाह से हड़कंप

जालंधर (काजल विज) : लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस ने कई परिवारों को ‘गारंटी कार्ड’ वितरित किए थे। इसमें हर गरीब परिवार की महिला मुखिया को हर साल 1 लाख रुपये देने का वादा किया गया था। राहुल गांधी का ‘खटाखट-खटाखट खाते में रुपए आने वाला’ बयान भी खूब चर्चा में रहा। इस बयान की नकल करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राहुल गांधी पर निशाना साधा था। पीएम मोदी के निशाना साधने के बाद कांग्रेस के साथ समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव भी मुखर हो गए। कई सपा नेताओं ने भी इस ‘खटाखट-खटाखट’ से माहौल बनाया। इसका असर भी रिजल्ट में दिखाई दिया। सपा-कांग्रेस के पक्ष में यूपी में जबरदस्त मतदान हुआ है। सपा को सीटों के मामले में सात गुना तो कांग्रेस की सीटों में छह गुना की बढ़त हुई है।

केंद्र में कांग्रेस-सपा की सरकार तो नहीं बन रही लेकिन राहुल गांधी ने पांच जून की जो तारीख बताई थी उसे देखते हुए लखनऊ के कांग्रेस दफ्तर पर भीड़ जुट गई है। बुधवार को काफी संख्या में महिलाएं लखनऊ स्थित कांग्रेस दफ्तर पर गारंटी कार्ड का फार्म जमा करने पहुंच गईं। कुछ महिलाएं फार्म जमा करने में सफल हो गईं, लेकिन ज्यादातर को मायूसी हाथ लगी। महिलाओं ने दफ्तर पर मौजूद कर्मचारियों से गारंटी कार्ड की मांग की। कुछ महिलाओं ने दावा किया कि धन प्राप्त करने के विवरण के साथ अपने फॉर्म जमा करने के बाद उन्हें कांग्रेस कार्यालय से रसीदें मिली हैं।

यहां पहुंची ज्यादातर मुस्लिम महिलाएं थीं। सभी का कहना था कि सूचना मिली कि कांग्रेस कार्यालय में फार्म जमा हो रहा है। जिनके पास फार्म नहीं थे वे महिलाएं भी कांग्रेस दफ्तर इस उम्मीद में पहुंची कि फार्म मिल जाएगा। यह कोई नहीं बता पाया कि उन्हें किसने बताया कि कांग्रेस कार्यालय में पंफलेट जमा हो रहे हैं। करीब 200 फार्म कांग्रेस कार्यालय में गार्ड ने जमा किए हैं।

लोकसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस ने गारंटी कार्ड नाम से पंफलेट बांटे थे। इसमें कांग्रेस की ओर से की गई पांच गारंटी लिखी थीं- युवा न्याय, नारी न्याय, किसान न्याय, श्रमिक न्याय, और हिस्सेदारी न्याय शीर्षक से तमाम वादे किए गए थे।

चुनाव नतीजे आने के दूसरे दिन बुधवार को शहर में एक अफवाह फैल गई कि महिलाओं को एक लाख रुपये सालाना देने वाला फार्म कांग्रेस कार्यालय में जमा हो रहे हैं। इसके बाद महिलाएं घर में रखा पंफलेट लेकर कांग्रेस दफ्तर पहुंचने लगीं। कुछ के पास पंफलेट थे तो कुछ खाली हाथ आईं थीं। जब महिलाएं पंफलेट भरकर जमा करने पहुंचीं तो कांग्रेस नेताओं को जानकारी हुई।

महिलाओं के पंफलेट का एक हिस्सा गार्ड ने जमा कर लिया। शहीद नगर से पंफलेट के साथ आईं उम्मे सलमा और आयशा बानो का कहना था कि उन्हें बताया गया कि कांग्रेस गारंटी वाला फार्म जमा हो रहा है। इस उम्मीद में यहां आई थीं। ट्रैफिक लाइन सदर बाजार से आईं जुबैदा बानो के पास पंफलेट नहीं था, लेकिन इस उम्मीद में आईं थीं कि उन्हें फार्म मिल जाएगा और वे उसे भरकर जमा कर देंगी। सदर बाजार के शकील अहमद भी फार्म के लिए आए थे। गुलशन बानो, जहीदा, सबनम समेत कई महिलाएं कांग्रेस गारंटी कार्ड वाले पंफलेट के साथ पहुंची थीं। जिनके पास पंफलेट भरे थे, उन्हें जमा करा लिया गया। जिनके पास नहीं थे, उन्हें आश्वासन देकर लौटा दिया गया।

प्रदेश महासचिव जयकरन वर्मा का कहना है कि चुनाव के दौरान बांटे गए कांग्रेस गारंटी कार्ड लेकर महिलाएं आई थीं। सबके फार्म जमा करवा लिए गए हैं। उन्हें यह जानकारी नहीं थी कि कांग्रेस की सरकार नहीं बनी है। उन्हें बताया गया कि कांग्रेस की सरकार आएगी तो सभी गारंटी पूरी की जाएगी। यह कांग्रेस और राहुल गांधी के प्रति जनता का विश्वास है। जनता उम्मीद भरी नजरों से कांग्रेस की ओर देख रही है। रास्ते में गाड़ी रोककर किसान पूछते हैं कि कर्ज कब माफ होगा। कांग्रेस प्रदेश मुख्यालय में अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष मसूद अहमद और पिछड़ा वर्ग के जिलाध्यक्ष शमीम कुरैशी कहते हैं कि यह कांग्रेस का न्याय पत्र है। सरकार बनी तो पांचों गारंटी पूरी की जाएगी। चुनाव के दौरान बांटे गए पंफलेट भरकर महिलाएं उम्मीद के साथ कांग्रेस मुख्यालय आईं थीं।

सेंट्रल हलके ने लगातार तीसरी बार दिया कांग्रेस को झटका

विधानसभा, लोकसभा उपचुनाव और लोकसभा चुनाव में राजिंदर बेरी नहीं बचा सके अपनी लाज, 2027 में सेंट्रल हलके से टिकट मिलना होगा मुश्किल

जालंधर(दीपांशु चोपड़ा) : जिला प्रधान राजिंदर बेरी और पूर्व मेयर के बीच खींचतान लगातार कांग्रेस पर भारी पड़ रहा है। सेंट्रल विधानसभा हलके में 2 साल के भीतर तीसरी बार राजिंदर बेरी को झटका लगा है। पहले 2022 के विधानसभा चुनाव में बंटी विधायक का चुनाव घर ? इसके बाद 2023 में लोकसभा उपचुनाव हुए तो कांग्रेस फिर सेंट्रल हल्के में पिछड़ गई और भाजपा ने बाजी मार ली। लोकसभा चुनाव में उम्मीद थी कि बेटर जिला प्रधान और केंद्रीय हलका इंचार्ज राजिंदर बेरी कांग्रेस को लीड दिलाने में सफल रहेंगे। मगर इस बार भी ऐसा न हुआ और कांग्रेस लगातार तीसरी बार सेंट्रल हलके में पीछड़ गई। बाजी एक बार फिर भाजपा के हाथ लगी । एक तरफ चन्नी ने जहां पौने दो लाख वोटों के भारी मार्जिन से लोकसभा चुनाव जीता, वहीं सेंट्रल हल्का पूरी तरह से पीछड़ गया। बेरी को 2 साल के भीतर मिली लगातार तीसरी हार ने उनका राजनीतिक कैरियर संकट में डाल दिया है। संभावना है कि 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव के दौरान बेरी की टिकट संकट में पड़ सकती है।

स्वर्ण मंदिर में ऑपरेशन ब्लू स्टार की 40वीं बरसी पर खालिस्तान समर्थकों ने लगाए नारे

जालंधर(हिमांशु) : सिखों के पवित्र स्थल स्वर्ण मंदिर में गुरुवार सुबह कुछ लोगों ने खालिस्तान समर्थक जरनैल सिंह भिंडरावाले के पोस्टर लहराए और नारे लगाए। 1984 में हुए ऑपरेशन ब्लू स्टार की 40वीं बरसी के मौके पर सिख समुदाय के कुछ लोगों ने यह नारेबाजी की और पोस्टर लहराए।

राज्य में आज ब्लू स्टार की बरसी के मौके पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की गई है। आज शाम को ही कई सिख संगठनों ने खालसा मार्च निकालने का भी ऐलान किया है। इसे देखते हुए अमृतसर पुलिस ने सुरक्षा के सख्त इंतजाम किए हैं। इसके अलावा, कई संगठनों ने आज अमृतसर बंद भी बुलाया है, जिसका असर रहने की संभावना है।

हालात बिगड़ने की आशंका को देखते हुए पुलिस ने सभी कर्मचारियों की छुट्टियां रद्द कर दी हैं। पंजाब पुलिस के सभी ट्रेनिंग सेंटर से 2000 पुलिसकर्मियों को अमृतसर बुलाया गया है। इसके अलावा, बॉर्डर रेंज के जिला अमृतसर देहाती, तरनतारन, बटाला, गुरदासपुर और पठानकोट से भी पुलिस फोर्स को अमृतसर में बुलाया गया है। पुलिस ने गोल्डन टेंपल की ओर जाने वाले रास्तों पर सख्त पहरा लगाया है। दरअसल, इस बात की भी आशंका है कि ऑपरेशन ब्लू स्टार की बरसी पर नारेबाजी के चलते कहीं माहौल न खराब हो जाए।

सिविल ड्रेस में सिख पुलिस मुलाजिमों को श्री हरिमंदिर साहिब की परिक्रमा और श्री अकाल तख्त साहिब के आसपास तैनात किया गया है, जो एसजीपीसी की टास्क फोर्स के साथ मिलकर ड्यूटी करेंगे। गौरतलब है कि लोकसभा चुनाव में खालिस्तानी अमृतपाल सिंह खडूर साहिब सीट से डेढ़ लाख वोटों के अंतर से जीत गए हैं। इसके अलावा, पूर्व पीएम इंदिरा गांधी के हत्यारे बेअंत सिंह के बेटे सरबजीत सिंह खालसा की भी फरीदकोट सीट से जीत हुई है। ये नतीजे राज्य में पंथिक राजनीति के उभार का संकेत देते हैं।

क्या था ऑपरेशन ब्लू स्टार, जिस पर खफा रहते हैं सिख संगठन

गौरतलब है कि जरनैल सिंह भिंडरावाले की अगुआई में अलगाववादियों ने अलग पंजाब की मांग को लेकर गोल्डन टेंपल में शरण लेकर तत्कालीन इंदिरा गांधी की सरकार को चुनौती दी थी। केंद्र सरकार को गोल्डन टेंपल से अलगाववादियों को बाहर निकालने के लिए 1984 में 1 जून से 6 जून तक सैन्य कार्रवाई करनी पड़ी, जिसे ऑपरेशन ब्लू स्टार का नाम दिया गया। 6 जून को सेना ने स्वर्ण मंदिर में अभियान चलाकर कई आतंकियों को बाहर निकाला था। इस दौरान स्वर्ण मंदिर को भी काफी नुकसान हुआ था और कई लोग मारे गए थे। इसकी बरसी हर साल 6 जून को मनाई जाती है।